

MPS 001

IMPORTANT QUESTIONS WITH ANSWERS

FOR DECEMBER 2024 & JUNE 2025 EXAMINATION

In Hindi & English both

PART-1

Write a note on modern political theory.

आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत पर एक टिप्पणी लिखें।

Modern political theory is the study of how politics and government work today. It looks at ideas like democracy, freedom, equality, justice, and power. This theory became popular when societies changed during the Industrial Revolution and modern times, when new challenges like globalization and nation-building arose.

आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत यह समझने की कोशिश करता है कि आज के समय में राजनीति और सरकार कैसे काम करती हैं। इसमें लोकतंत्र, स्वतंत्रता, समानता, न्याय और शक्ति जैसी अवधारणाओं पर ध्यान दिया जाता है। यह सिद्धांत उस समय लोकप्रिय हुआ जब औद्योगिक क्रांति और आधुनिक समय में समाज में बदलाव आया और नई चुनौतियाँ जैसे वैश्वीकरण और राष्ट्र-निर्माण उभरे।

Key ideas in modern political theory:

1. **Democracy:** It studies how democratic systems work, where people vote to choose their leaders and make decisions.
2. **Freedom and Rights:** It talks about how important individual freedom is and how governments should protect people's rights.
3. **Economic Equality:** The theory also looks at how wealth and power are divided in society and the problems caused by inequality.
4. **Gender Equality:** Modern political theory includes the study of how men and women should have equal rights in society.

आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत के कुछ मुख्य विचार:

1. **लोकतंत्र:** इसमें यह समझा जाता है कि लोकतांत्रिक प्रणालियाँ कैसे काम करती हैं, जहाँ लोग अपने नेताओं को चुनते हैं और फैसले लेते हैं।
2. **स्वतंत्रता और अधिकार:** यह बताता है कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता कितनी महत्वपूर्ण है और सरकारों को लोगों के अधिकारों की रक्षा कैसे करनी चाहिए।
3. **आर्थिक समानता:** यह सिद्धांत यह भी देखता है कि समाज में धन और शक्ति कैसे बंटे होते हैं और असमानता से क्या समस्याएँ पैदा होती हैं।
4. **लिंग समानता:** आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत में यह भी शामिल है कि पुरुषों और महिलाओं को समाज में समान अधिकार कैसे मिलने चाहिए।

Trace the Historical Background of Democracy

लोकतंत्र की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का पता लगाएँ।

The idea of democracy, where power is in the hands of the people, has roots going back thousands of years.

लोकतंत्र का विचार, जहाँ सत्ता जनता के हाथों में होती है, हजारों साल पुराना है।

1. Ancient Greece (5th Century BCE):

The earliest form of democracy began in Athens, Greece, around the 5th century BCE. It was a direct democracy where citizens (only free men) could participate directly in decision-making. This system, although limited to a small part of the population, laid the foundation for modern democratic principles.

प्राचीन यूनान (5वीं सदी ईसा पूर्व):

लोकतंत्र का सबसे प्रारंभिक रूप एथेंस, ग्रीस में 5वीं सदी ईसा पूर्व के आसपास शुरू हुआ। यह प्रत्यक्ष लोकतंत्र था, जहाँ नागरिक (केवल स्वतंत्र पुरुष) सीधे निर्णय लेने में भाग लेते थे। यह प्रणाली, हालांकि सीमित थी, लेकिन इसने आधुनिक लोकतांत्रिक सिद्धांतों की नींव रखी।

2. Roman Republic (509–27 BCE):

In Rome, the concept of a republic developed, where representatives were

elected to make decisions on behalf of the people. Although not a true democracy, the Roman Republic introduced ideas of representation and governance by elected officials, which influenced later democratic models.

रोमन गणराज्य (509–27 ईसा पूर्व):

रोम में एक गणराज्य की अवधारणा विकसित हुई, जहाँ लोगों की ओर से निर्णय लेने के लिए प्रतिनिधि चुने जाते थे। यह पूर्ण लोकतंत्र नहीं था, लेकिन रोमन गणराज्य ने प्रतिनिधित्व और निर्वाचित अधिकारियों द्वारा शासन के विचारों को पेश किया, जिसने बाद में लोकतांत्रिक मॉडल को प्रभावित किया।

3. Medieval Europe:

After the fall of the Roman Empire, Europe went through a period dominated by monarchies and feudalism. However, certain democratic practices continued at local levels, such as town councils. The **Magna Carta** in 1215 was a significant step toward limiting the power of the monarchy and laid groundwork for later democratic developments.

मध्ययुगीन यूरोप:

रोमन साम्राज्य के पतन के बाद, यूरोप पर राजतंत्र और सामंतवाद का प्रभुत्व था। हालाँकि, स्थानीय स्तर पर कुछ लोकतांत्रिक प्रथाएँ जारी रहीं, जैसे नगर परिषदें। 1215 में **मैग्ना कार्टा** एक महत्वपूर्ण कदम था, जिसने राजशाही की शक्ति को सीमित किया और बाद के लोकतांत्रिक विकास के लिए आधार तैयार किया।

4. The Enlightenment (17th–18th Centuries):

Democratic ideas flourished during the Enlightenment in Europe. Thinkers like **John Locke**, **Jean-Jacques Rousseau**, and **Montesquieu** argued for the protection of individual rights and the separation of powers, which greatly influenced the development of modern democratic systems. These ideas spread during the **American Revolution (1776)** and the **French Revolution (1789)**, leading to the establishment of democratic constitutions in many nations.

प्रबोधन युग (17वीं-18वीं शताब्दी):

प्रबोधन के दौरान यूरोप में लोकतांत्रिक विचार फले-फूले। **जॉन लॉक**, **जीन-जैक्स रूसो**, और **मोंटेस्क्यू** जैसे विचारकों ने व्यक्तिगत अधिकारों की सुरक्षा और शक्तियों के विभाजन की वकालत की, जिसने आधुनिक लोकतांत्रिक प्रणालियों के विकास को बहुत प्रभावित किया। ये विचार **अमेरिकी क्रांति (1776)** और **फ्रांसीसी क्रांति (1789)** के दौरान फैल गए, जिससे कई देशों में लोकतांत्रिक संविधानों की स्थापना हुई।

5. Modern Democracies (19th–20th Centuries):

The 19th and 20th centuries saw the expansion of democratic rights to more people, including women and previously disenfranchised groups. The world witnessed the development of **representative democracies** across Europe, the Americas, and later, many other parts of the world. This period also marked the rise of **universal suffrage** and the strengthening of democratic institutions.

आधुनिक लोकतंत्र (19वीं-20वीं शताब्दी):

19वीं और 20वीं शताब्दी ने लोकतांत्रिक अधिकारों के विस्तार को देखा, जिसमें महिलाओं और पहले से वंचित समूहों को शामिल किया गया। इस समय ने पूरे यूरोप, अमेरिका और बाद में दुनिया के कई अन्य हिस्सों में **प्रतिनिधि लोकतंत्रों** का विकास देखा। इस अवधि में **सर्वजन मताधिकार** और लोकतांत्रिक संस्थानों को मजबूत बनाने का दौर भी देखा गया।

Discuss the Meaning of Rights

अधिकारों का अर्थ समझाएँ।

Rights refer to the freedoms or entitlements that individuals are allowed to have, either by law or by moral principles, to live freely and fairly within a society.

These rights are essential for maintaining justice, equality, and respect among individuals, and they help protect people's dignity and personal freedom.

1. Types of Rights:

Rights can be categorized into different types depending on their nature and purpose:

- **Natural Rights:** These are rights that are considered inherent to all human beings, such as the right to life, liberty, and property. They are often thought to exist regardless of any government or laws.
- **Legal Rights:** These are rights given and protected by a country's legal system. They can vary from country to country and include rights like voting, owning property, and freedom of speech.
- **Human Rights:** These are universal rights that apply to all people, regardless of their nationality, religion, or background. Examples include the right to education, the right to work, and the right to be free from discrimination.
- **Civil Rights:** These are rights that ensure individuals' protection from unfair treatment and provide equal participation in civic life, such as the right to vote, freedom of assembly, and equality before the law.

अधिकार विभिन्न प्रकारों में विभाजित किए जा सकते हैं, जो उनकी प्रकृति और उद्देश्य के आधार पर होते हैं:

- **प्राकृतिक अधिकार:** ये वे अधिकार हैं जो सभी मनुष्यों को स्वाभाविक रूप से प्राप्त होते हैं, जैसे जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति का अधिकार। यह माना जाता है कि ये अधिकार सरकार या कानूनों से परे होते हैं।
- **कानूनी अधिकार:** ये वे अधिकार होते हैं जो किसी देश की कानूनी प्रणाली द्वारा दिए और संरक्षित किए जाते हैं। ये देश के अनुसार भिन्न हो सकते हैं, जैसे मतदान का अधिकार, संपत्ति का स्वामित्व और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता।
- **मानव अधिकार:** ये सार्वभौमिक अधिकार होते हैं, जो किसी भी व्यक्ति की राष्ट्रियता, धर्म या पृष्ठभूमि से परे होते हैं। उदाहरण के लिए, शिक्षा का

अधिकार, काम करने का अधिकार, और भेदभाव से मुक्त होने का अधिकार।

- **नागरिक अधिकार:** ये अधिकार सुनिश्चित करते हैं कि व्यक्तियों को अनुचित व्यवहार से सुरक्षा मिले और वे नागरिक जीवन में समान भागीदारी कर सकें, जैसे मतदान का अधिकार, सभा की स्वतंत्रता और कानून के समक्ष समानता।

2. Importance of Rights:

Rights are important because they help ensure that individuals can live with dignity, safety, and freedom. They prevent the misuse of power by governments or other institutions and provide a framework for fairness in society. Without rights, people would be vulnerable to oppression and inequality.

अधिकार महत्वपूर्ण होते हैं क्योंकि ये सुनिश्चित करते हैं कि व्यक्ति गरिमा, सुरक्षा और स्वतंत्रता के साथ जीवन जी सकें। ये सरकारों या अन्य संस्थाओं द्वारा सत्ता के दुरुपयोग को रोकते हैं और समाज में निष्पक्षता के लिए एक ढाँचा प्रदान करते हैं। अधिकारों के बिना लोग उत्पीड़न और असमानता का शिकार हो सकते हैं।

3. Challenges to Rights:

Even though rights are protected by laws and international agreements, there are still challenges to ensuring that all people enjoy these rights.

Issues like discrimination, corruption, political oppression, and unequal access to resources can violate individuals' rights, and it often requires legal or social action to address these violations.

भले ही अधिकार कानूनों और अंतर्राष्ट्रीय समझौतों द्वारा संरक्षित हों, फिर भी यह सुनिश्चित करने में चुनौतियाँ होती हैं कि सभी लोग इन अधिकारों का आनंद लें। भेदभाव, भ्रष्टाचार, राजनीतिक दमन और संसाधनों तक असमान पहुँच जैसी समस्याएँ व्यक्तियों के अधिकारों का उल्लंघन कर सकती हैं, और इन उल्लंघनों का समाधान करने के लिए अक्सर कानूनी या सामाजिक कदम उठाने पड़ते हैं।

4. Examples of Rights:

Some common rights include:

- Right to freedom of speech
- Right to education
- Right to a fair trial
- Right to vote
- Right to privacy

कुछ सामान्य अधिकार इस प्रकार हैं:

- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार
- शिक्षा का अधिकार
- निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार
- मतदान का अधिकार
- गोपनीयता का अधिकार

FOR PART-2 CHECK LINK IN DESCRIPTION.

Scholarly Minds